भगोरिया के प्रति भारी उत्साह

पश्चिमी म.प्र.के खरगोन, बड़वानी, धार , आलीराजपुर, झाबुआ जिलों के आदिवासी युवक-युवतियों द्वारा होली के सात दिनों पूर्व से मनाए जाने वाले भगोरिया पर्व में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर खूब उत्साह दिखाया जा रहा है !

फोटो और विवरण

डॉ. मदनलाल गांगले जावरा !

आदिवासी संस्कृति के उल्लास का प्रतीक 'भोंगर्या' पर्व कट्ठीवाड़ा में उत्साह के साथ संपन्न

कट्ठीवाड़ा, निप्र। आदिवासी अंचल की समृद्ध परंपरा, संस्कृति और उल्लास का प्रतीक 'भोंगर्या' पर्व शुक्रवार को कट्ठीवाड़ा में हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरा क्षेत्र रंग, उमंग और सांस्कृतिक उत्साह से सराबोर नजर आया।

बच्चों ने खरीदे खिलौने... बड़ों ने लिया पान और ठंडे का लुत्फ

बांसुरी की धुन और मांदल की थाप पर थिरके पारम्परिक परिधानों में सजे युवा

मेले में पारंपरिक परिधानों और गहनों से सजे हर आयु वर्ग में विशेष उत्साह देखने को मिला। पारंपरिक वेशभूषा और पारंपरिक गहनों से सजे आदिवासी युवक-युवतियों ने मांदल की थाप पर पारंपरिक नृत्य भी किए। मांदल की थाप पर थिरकते कदम और बांसुरी की मधुर धुनों ने पूरे वातावरण को लोक-संगीतमय बना दिया। मेले में स्थानीय निवासियों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में समाजजन और अन्य लोग शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा और मेले के दौरान शांति एवं व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेले में पारंपरिक वस्तुओं और खान-पान की दुकानों पर भी काफी रौनक रही। गन्ने का रस, ठंडे पेय और पान की दुकानों पर भीड़ उमड़ती रही। वहीं, बच्चों ने खिलौनों की दुकानों पर विशेष रुचि दिखाई और अपनी पसंद के खिलौने खरीदे।

उल्लेखनीय है कि यह पर्व केवल एक मेला नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और सामुदायिक एकता का जीवंत प्रतीक है। मेले में व्यवस्था के लिए कट्ठीवाड़ा थाना प्रभारी, एएसआई पाटीदार, आरक्षक अनिल, विकास और तहसील की टीम से पटवारी दिनेश कटारा भी पूरे समय मेला स्थल पर तैनात रहे।

रणछोड़राय मन्दिर भजन मण्डल द्वारा स्व. कोठारी को दी गई श्रद्धांजली

आलीराजपुर नि.प्र.। माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सुभाषचन्द्र केशवलाल कोठारी के प्रभुमिलन होने पर उनके निवास पर शोक बैठक में गुरूवार रात्रि रणछोडराय मन्दिर भजन मण्डल एवं भक्तमण्डल द्वारा श्रद्धांजली स्वरूप भजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। भजन मण्डल ने भजन के द्वारा श्रद्धांजली देते हुए कहा कि सुभाषचन्द्र कोठारी रणछोड़राय मन्दिर के परम भक्त थे व हमेशा धार्मिक व सामाजिक कार्यो में गहरी रूचि रखते थे।

जल प्रदाय में तकनीकी बाधा से नागरिक परेशान, सूचना तंत्र को बेहतर करने की मांग

राणापुर गुरू महेश जैन नगर परिषद द्वारा नगर की जल व्यवस्था को सुचारू रखने के निरंतर प्रयासों के बीच, पिछले कुछ समय से सूचना के अभाव के कारण नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि नगर में दो दिन छोड़कर जल प्रदाय की व्यवस्था लागू है, लेकिन कभी-कभी अपरिहार्य तकनीकी कारणों से समय पर पानी की सप्लाई नहीं हो पाती है।

पिछले एक दो माह में कई बार जल प्रदाय व्यवस्था प्रभावित होने पर सूचना नगर वासियों को नहीं मिल पाती है जिससे नागरिक ज्यादा आक्रोशित हो रहे है ।

समय पर सूचना की दरकार

शहरवासियों का कहना है कि जल प्रदाय का समय तड़के सुबह का होने के कारण, पुरुष और महिलाएं बड़ी उम्मीद के साथ जल्दी उठकर नलों का इंतजार करते हैं। ऐसे में यदि किसी तकनीकी खराबी या बिजली गुल होने के कारण सप्लाई प्रभावित होती है, तो पूर्व सूचना न मिलने से जनता में स्वाभाविक रूप से निराशा और आक्रोश उत्पन्न होता है। जागरूक नागरिकों ने सोशल मीडिया के माध्यम से परिषद प्रशासन से अनुरोध किया है कि सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए ताकि नागरिकों का कीमती समय और सुबह की नींद खराब होने से बच सके।

अध्यक्ष का पक्षः विद्युत बाधा बनी कारण

इस पूरे विषय पर संज्ञान लेते हुए नगर परिषद अध्यक्ष सुश्री दीपमाला नलवाया ने वस्तुस्थिति स्पष्ट करते हुए कहा-

नगर परिषद राणापुर शहरवासियों को नियमित जल प्रदाय के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बीती देर रात अचानक एक बड़ा पेड़ गिर जाने के कारण विद्युत सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हो गई, जिसके चलते जल प्रदाय संयंत्र को बिजली नहीं मिल सकी और सप्लाई बाधित हुई। इस तकनीकी और प्राकृतिक बाधा के कारण नागरिकों को जो असुविधा हुई, उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी हैं।

उन्होंने आगे आश्वासन देते हुए कहा, हमने विभाग को निर्देशित किया है कि भविष्य में ऐसी किसी भी आपात स्थिति या तकनीकी खराबी की जानकारी सोशल मीडिया समूहों और मुनादी के माध्यम से समय रहते जनता तक पहुँचाई जाए। डिजिटल माध्यमों का उपयोग कर हम सूचना तंत्र को और अधिक पारदर्शी बनाएंगे ताकि जनता और प्रशासन के बीच बेहतर तालमेल बना रहे।

क्षत्राणियों ने मनाया फागोत्सव, सूखे रंगों और फूलों से खेली होली

झाबुआ। अंतर्राष्ट्रीय वीरांगना महासभा की झाबुआ इकाई की क्षत्राणियों ने सिद्धेश्वर कॉलोनी स्थित श्री सिद्धेश्वरी माता मंदिर पर फागोत्सव मनाया। सभी ने सर्वप्रथम माता का पूजन करने के पश्चात एक-दूसरे को गुलाल लगाया।फूलों की वर्षा की। बाद सुमधुर भजनों के साथ सभी बहनों ने सुंदर नृत्य और गरबे किए। इस अवसर पर वीरांगना महासभा जिलाध्यक्ष रागिनी राठौर के विशेष आग्रह पर स्मृति भट्ट को आमंत्रित किया गया। सबने मिलकर बहुत धूमधाम से फागोत्सव मनाया। इस अवसर पर संस्था की जिला उपाध्यक्ष ममता जादौन एवं अनीता पंवार, जिला सचिव नीतू सिकरवार, जिला सह-सचिव भारती राठौर, जिला कोषाध्यक्ष सपना पंवार, संगठन मंत्री बीना गेहलोत एवं श्वेता राठौर, मीडिया प्रभारी भावना गहलोत आदि उपस्थित थी। माता के आंगन में खेले गए इस फागोत्सव में कन्याओं और बालकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज़ाद की आदमकद प्रतिमा पर दी पुष्पांजलि

आलीराजपुर। अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद का आज 95 वाँ बलिदान दिवस चंद्रशेखर आज़ाद नगर में मनाया गया। उनके बलिदान दिवस पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उनके जन्मस्थान चंद्रशेखर आज़ाद नगर स्थित ऐतिहासिक आज़ाद कुटिया पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की आदमकद प्रतिमा पर नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।

इस दौरान अनुसूचित जाति कल्यामण कैबिनेट मंत्री श्री नागर सिंह चौहान,सांसद श्रीमती अनीता चौहान, सम्भागायुक्त डॉ.सुदाम खाड़े,आईजी श्री अनुराग ,जिला कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर , पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह भदौरिया सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

इस दौरान उन्होंने स्वराज संस्थान संचालनालय मध्य प्रदेश शासन द्वारा क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्र शेखर आजाद के जीवन पर व उनके स्वतंत्रता संग्राम में अविस्मरणीय योगदान पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। आज़ाद कुटिया परिसर में ही स्थापित संग्रहालय का अवलोकन मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा किया गया जहां उनके जीवन, संघर्ष और क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज, चित्र और स्मृतिचिह्न संजोए गए हैं। कई पर्यटक, विद्यार्थी, सामान्य जन यहाँ पहुँच कर स्वतंत्रता संग्राम की उस अदम्य भावना को महसूस करते हैं, जिसने भारत को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने चंद्रशेखर आज़ाद की शहादत पर उन्हें स्मरण किया और कहा कि भारत के सभी क्रांतिकारी नायकों का स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा है। चंद्रशेखर आज़ाद जैसे वीर क्रांतिकारी ने दुर्गम परिस्थितियों में जन्म लेकर अनेक कठिनाइयों के बावजूद अपने अदम्य साहस और त्याग से देश और दुनिया में विशिष्ट पहचान बनाई। उन्होंने आदिवासी अंचलों के नायकों के संघर्ष को भी याद किया और कहा कि उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध कर स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत किया। इस अवसर पर उन्होंने जनजातीय नायक शहीद छीतू किराड़ के बलिदान को भी नमन करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

विदित हो कि 23 जुलाई 1906 को जन्मे चंद्रशेखर आज़ाद का प्रारंभिक जीवन इसी पावन भूमि पर बीता। बचपन में उन्होंने भील बालकों के साथ रहकर धनुष-बाण चलाना और निशानेबाजी की शिक्षा प्राप्त की। आदिवासी अंचल में पले-बढ़े आज़ाद ने यहीं से साहस, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणा ली, जो आगे चलकर उनके क्रांतिकारी जीवन की आधारशिला बनी। 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज) के अल्फ्रेड पार्क (अब चंद्रशेखर आज़ाद पार्क) में अपने एक साथी के विश्वासघात के कारण पुलिस ने उन्हें घेर लिया। उस दौरान उनके पास सिर्फ एक गोली बची थी, तो उन्होंने अपने संकल्प के अनुसार स्वयं को गोली मारकर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का चंद्रशेखर आज़ाद के नगर में हुआ आत्मीय स्वागत

आलीराजपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 95 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित %आज़ाद स्मृति समारोह% में सम्मिलित होने आलीराजपुर पहुचें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का ग्राम करेटी में बनाए गए हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और स्थानीय जनता द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। इस दौरान हेलीपैड पर बड़ी संख्या में उपस्थित स्थानीय नागरिको में भारी उत्साह देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया। इसके पश्चात उन्होंने बस स्टैंड पर चंद्र शेखर आजाद उद्यान स्थित अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। जहां उनका स्वागत ग्रामीण जन ने ढोल बजा कर किया।इस दौरान अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागर सिंह चौहान,क्षेत्रीय सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान, इंदौर संभागायुक्त डॉ सुदाम खाड़े, आई जी श्री अनुराग जैन,कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

वीरता - बलिदान के प्रतीक चंद्रशेखर आजाद का बलिदान दिवस मनाया गया

थांदला मनोज उपाध्याय,मेट्रो एजुकेशन एकेडमी विद्यालय थांदला में बलिदानी चंद्रशेखर आजाद जी का बलिदान दिवस मनाया गया इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका सोनम सिंगार द्वारा विद्यार्थियों को बलिदानी चंद्रशेखर आजाद के जीवन पर प्रकाश डालते हुवे बताया कि चंद्रशेखर आजाद की आज 27 फरवरी को 95वीं पुण्यतिथि पर हम सब नमन करते हैं।

आजाद एक ऐसे सपूत का नाम है जिन्होंने अपने देश के प्रति पूर्णरूप से अपना जीवन समर्पित कर दिया । हम सब गौरवशाली है कि ऐसे महान क्रांतिकारी का जन्म अपने झाबुआ जिले के भाबरा गांव में हुआ था जो अब अलीराजपुर जिले में है।गांव की गलियों में बचपन की मौज मस्ती को छोड़कर भूख प्यास की परवाह किए बिना अपनी भारत माता की आजादी के लिए निकल पड़े।

जब अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की जंग में आजादी के सुर बुलंद करते हुवे गिरफ्तार हुवे तो जज के सामने पेश किया गया तो जज ने नाम पूछा तो निडर हो कर बोले कि मेरा नाम आजाद है,पिता का नाम स्वतंत्रता और अपना घर जेल बताया इस अबोध बालक के देशभक्ति और अदम्य साहस से घबराकर जज साहब ने आजाद को पंद्रह बेंत की सजा सुनाई।

इस सजा पर आजाद मुस्कुराए और हर एक बेंत की मार पर भारत माता की जय और वंदे मातरम बोलते हुवे पूरे वातावरण को ओज से गुंजायमान कर दिया। ऐसे व्यक्तित्व को आज हम श्रद्धा के फूल अर्पित करते हैं। जिनके हृदय में सदैव देश भक्ति की आग धड़कती रहती थी । उनकी पुण्यतिथि आज भी हमें तेजोमय जीवन की स्मृति में झुकने और उनके अधूरे संकल्पों को पूर्ण करने का आह्वान करती है।

इस अवसर पर विद्यालय के संचालक भूषण भट्ट द्वारा शहीद चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर मल्यार्पण कर दीप प्रज्जलित किया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा भी आजाद जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई । इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ शिक्षक, शिक्षिकाए भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरुण शर्मा द्वारा किया गया

गच्छाधिपति के आशीर्वाद से युगोत्सव की धूम, सालेचा परिवार के निवास पर गूंजे गुरु भक्ति के स्वर

राणापुर गुरु महेश जैन वर्तमान गच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री नित्यसेन सूरीश्वर जी महाराज साहेब एवं आचार्य श्री जयरत्न सूरीश्वर जी महाराज साहेब की पावन प्रेरणा से, युगप्रधान आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय राजेंद्रसूरीश्वर जी महाराज साहेब के 200वें जन्मोत्सव को अखिल भारतीय श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद् द्वारा %युगोत्सव% के रूप में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।

परिषद् के ललित जैन ने बताया कि इसी श्रृंखला के अंतर्गत आज गुरुवार को स्थानीय श्री जयप्रकाश जी सालेचा के निवास स्थान पर भव्य भक्ति आराधना का आयोजन किया गया। इस आयोजन की विशेषता यह रही कि इसमें श्वेतांबर जैन समाज के साथ-साथ नगर के अग्रवाल समाज एवं पोरवाल

समाज के गणमान्य सदस्यों ने भी सपरिवार उपस्थित होकर सांप्रदायिक सौहार्द की अनूठी मिसाल पेश की।

श्रद्धा और भक्ति का संगम- शाम 7:30 बजे से आयोजित इस आराधना में सामूहिक रूप से महामंत्र नवकार का जाप किया गया। इसके पश्चात उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने पूरी श्रद्धा के साथ गुरु मंत्र और गुरु गुण इक्कीसा का पाठ किया। अंत में भावपूर्ण गुरु आरती उतारकर सभी ने धर्म लाभ लिया।

प्रति गुरुवार घर-घर गूंजती है गुरु महिमा-ललित जैन ने आगे जानकारी दी कि परिषद् द्वारा गुरुदेव के इस ऐतिहासिक 200वें जन्म वर्ष को यादगार बनाने के लिए प्रति गुरुवार समाज के अलग-अलग परिवारों के निवास स्थान पर इस विशेष भक्ति आराधना का आयोजन किया जा रहा है, ताकि गुरुदेव के सिद्धांतों और भक्ति का प्रसार घर-घर तक हो सके।

आभार प्रदर्शन-कार्यक्रम के सफल समापन पर श्री राजेंद्र जैन नवयुवक परिषद्, शाखा राणापुर एवं श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय ने सालेचा परिवार का सप्रेम आभार व्यक्त किया। साथ ही, पधारे हुए अग्रवाल एवं पोरवाल समाज के सभी अतिथियों और धर्मप्रेमी जनता का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अस्वस्थ चल रहीं पूर्व विधायक श्रीमती सुलोचना रावत का हालचाल जाना

आलीराजपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मानवीय संवेदना और आत्मीयता का परिचय देते हुए लंबे समय से अस्वस्थ में चल रहीं जोबट की पूर्व विधायक श्रीमती सुलोचना रावत के स्वास्थ्य की जानकारी लेने उनके गृह निवास पहुंचकर परिजनों से भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के पूर्व विधायक के गृह निवास पहुंचने पर परिवारजनों द्वारा उनका तिलक लगाकर पुष्प गुच्छ से आत्मीय स्वागत किया गया । मुख्यमंत्री आलीराजपुर जिले की जोबट तहसील अंतर्गत ग्राम कानाकाकड़ स्थित निवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने परिजनों से उपचार की वर्तमान स्थिति की विस्तृत जानकारी ली । उनके पुत्र विशाल रावत व परिवारजनों ने बताया कि पहले से स्थिति में सुधार हैं। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इस कठिन समय में उन्होंने हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री नागरसिंह, पूर्व सांसद श्री गुमानसिंह डामोर, संभागायुक्त इंदौर डॉ सुदाम खाड़े, कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।